<u>सपोर्टिव सुपरविजन भ्रमण आख्या</u>

जनपद–महोबा

दिनांक 26, 27 व 28 सितम्बर, 2016

राज्य कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई से तीन सदस्यीय भ्रमण टीम डा0 अश्विनी कुमार, उपमहाप्रबंधक, (आयुष), डा0 वाई0के0 पाठक, संयुक्त निदेशक (नेत्र) ए वं श्री सौरभ तिवारी, कार्यक्रम समन्वयक, अनुश्रवण एवं मूल्यांकन द्वारा चित्रकूट मण्डल के जनपद महोबा की विभिन्न स्वास्थ्य इकाइयों का सपोर्टिव सुपरविजन भ्रमण दिनांक 26, 27 एवं 28 सितम्बर, 2016 को किया गया है। जिसकी बिन्दुवार आख्या निम्नवत है–

➢ <u>सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–कबरई (नान एफ.आर.यू.)</u>

- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चिकित्सा अधीक्षक डॉ जी0 आर0 रतमेल उपस्थित मिले। भ्रमण टीम द्वारा उनको भ्रमण पर आने का उददे्श्य बताया गया।
- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कबरई तक पहूंचने के कोई संकेतक नही लगे। परिसर सड़क से जुडे होने के कारण मवेषी अंदर आ जाते है, जिससे गंदगी होती है। अधीक्षक महोदय से टीम ने इसकी व्यवस्था हेतु गेट पर पाइप लगवाने का सुझाव दिया।
- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कबरई में मरीजो का भार अत्यंत अधिक है एवं 06 बिस्तरे वाली इकाई है जिसमें 200 प्रसव का मासिक भार हैं।
- उक्त केन्द्र पर इतने अधिक प्रसव होने के उपरान्त एच0आई0वी किट् अनुपलब्ध पाई गई। उक्त केन्द्र पर गर्भवती स्त्रीयों का एच0आई0वी0 परीक्षण नही कराया जाता है।

- अलग–अलग स्थानो पर कूडे के डेर पाये गये। पूछने पर ज्ञात हुआ कि Bio Medical Waste के निस्तारण हेतु Medical Pollution Control Committee (MPCC) Bijoli, Jhansi एजेंसी लगी, जिसको प्रत्येक दूसरे दिन कूडे को लेने आना चाहिये किन्तु वो नियमित नही है।
- साफ–सफाई की आवश्यकता है। अधीक्षक महोदय के कमरे से निकट का शौचालय बेहद गंदा पाया गया।

- वेस्ट मैनेजमेंट हेतु colour coded dustbins उपयोग में लाये जा रहे थे। पलेसेन्टा के निस्तारण की समुचित व्यवस्था नही पाई गई।

- लेबर रूम मे उपलब्ध 02 लेबर टेबल थे एवं दो लेबर टेबल के बीच में पार्टीशियन नही था। लेबर रूम में अटैच्ड बाथरूम क्रियाशील नही पाया गया एवं उसमें पानी की भी समुचित व्यवस्था नही थी। ओ0टी0 ट्रे की लेबलिंग कराने की आवश्यकता है।

- एम0एन0एच0 टूल किट मानकानुसार लेबर रूम में 05 ट्रे नही पाई गई। आर्टरी फॉर्सेप्स, प्लास्टिक बेबी ट्रे, विटामिन के, इन्जेक्शन Fortwin एवं इन्जेक्शन Hydrazline आदि उपलब्ध कराने की आवश्यकता है।

- लेबर रूम रजिस्टर में एम0सी0टी0एस0 न0 दर्ज नही किया जा रहा था एवं बी0एच0टी0 एवं पार्टोग्राफ भी नही भरा जा रहा था।
- जननी सुरक्षा योजना के तहत लाभार्थियों को प्रदान किये जाने वाली रु0 1400/–एवं रू 1000/– की धनराशि का वितरण अद्यतन नहीं था।

- आ0ई0ई0सी0 के तहत पी.एन.सी. वार्डों में दीवाल लेखन नहीं कराया गया और एच.बी. एन.सी. प्रोटोकाल पोस्टर भी उपलब्ध नहीं थे। जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं से सम्बन्धित संदेश/सूचनाओं का लेखन कराये जाने का सुझाव दिया गया।
- परिसर मे सफाई की आवश्यकता है। ज्ञात हुआ परिसर की सफाई हेतु एक सफाई कर्मी तैनात है, जो कि नियमित नही है।
- परिसर में कई कमरे एवं इमारत बंद पाई गई, जिनका प्रयोग किया जा सकता है। अधीक्षक महोदय से ज्ञात हुआ कि मुख्य चिकित्साधिकारी से दो दिन पूर्व ही इमारतों का हस्तातरंण उनको किया गया है। अधीक्षक महोदय द्वारा आश्वासन दिया गया कि अब इसका उचित प्रयोग कर सकेगें।

- बिजली के बैकअप की व्यवस्था हेतु जनरेटर की सुविधा है। पीने के पानी हेतु आरो एवं वाटर कूलर उपलब्ध है किन्तु क्रियाशील नही है। अधीक्षक महोदय द्वारा बताया गया कि उस क्षेत्र का पानी खारे होने के कारण आरो जल्द खराब हो जाता है।

- मरीजो को 102 एवं 108 एम्बुलेन्सों की समुचित जानकारी नही है। आई0ई0सी0 प्रदर्शित कराने की आवश्यकता है। दीवाल लेखन पर्याप्त पाया गया।

- परिसर में दवा वितरण केन्द्र में मात्र एक व्यक्ति लगा है जिससे लाभार्थियों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। दवा वितरण केन्द्र को अधिक व्यवस्थित करने की आवश्यकता है।

➢ जिला महिला चिकित्सालय महोबा–(एफ0आर0यू0)

- मार्ग पर जिला चिकित्सालय एवं जिला महिला चिकित्सालय पहुचने हेतु संकेतक नही लगे है।
- परिसर की मुख्य समस्या यह है कि सम्पूर्ण परिसर की धरा, सड़क से नीचे है, जिसके कारण विशेषतः वर्षा में पूरे परिसर में जल भराव हो जाता है। मुख्य शहर के मध्य होने के कारण पूरे शहर का कूडा परिसर में आ जाता है। यहां तक ओ0टी0 एवं वार्डों तक में पानी भर जाता है। जिसके निदान की अत्यंत आवश्कता है। उक्त हेतु टीम ने मुख्य चिकित्साधिकारी/अधीक्षक महोदय से Proper Drainage की व्यवस्था कराना सुनिश्चित करने को कहा।

- परिसर में अव्यवस्थित रूप से यहां वहां गाडी लगी हुई थी। यदि आपातकालीन स्थिति में किसी मरीज को 108/102 से लाया जाये तो मरीज को परिसर के अंदर लाना सम्भव नही है। उक्त हेतु टीम ने गार्ड से बात की जिस पर उसने उत्तर दिया कि कोई पार्किंग नही है। दल ने बताया कि चिकित्सालय में पार्किंग नही होती किन्तु ये उनका दायित्व है कि गाड़ियों को सुव्यवस्थित रूप से लगवाये। चिकित्सालय में मात्र दो पुरूष गार्ड तैनात है। महिला हेतु कोई भी महिला गार्ड नही है।

- जिला महिला चिकित्सालय अधीक्षक महोदय द्वारा बताया गया कि जब तक चिकित्सालय में निश्चेतक (अनेस्थिटिस्ट) उपलब्ध था तब तक चिकित्सालय में 35–40 प्रसव प्रति माह किये जाते थे किन्तु अब अनेस्थिटिस्ट एल0एस0सी0एस0 प्रशिक्षण पर चले गये है इस कारण प्रसव कराने में कठीनाई का सामना करना पडता है, प्रसव कराने हेतु बाहर से बुलाना पड़ता है।
- चिकित्सालय में तीन बाल रोग विशेषज्ञ उपलब्ध थे जिसमे दो रीटायर हो गये एवं अब मात्र एक है जो जिला चिकित्सालय एवं जिला महिला चिकित्सालय दोनो को देखते है।
- मानव संसाधन की कमी है। सफाई की कमी है। यहां भी Bio Medical Waste के निस्तारण हेतु Medical Pollution Control Committee (MPCC) Bijoli, Jhansi एजेंसी लगी, जिसको प्रत्येक दूसरे दिन कूडे को लेने आना चाहिये किन्तु वो अनियमित है।

- अधीक्षक महोदय द्वारा बताया गया जिला महोबा में महिलाओं का हामोग्लोबिन 7–8 तक रहता है। ऐसी दशा में प्रसव कराना बेहद कठिन होता है। उसके उपरान्त पूरे जनपद में कहीं भी न तो ब्लड बैंक है और न ही ब्लड स्टोरज यूनिट स्थापित है। अपातकालीन स्थति में मरीज के जीवन की रक्षा करना बेहद कठिन हो जाता है।
- जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को दिये जा रहे भोजन का विवरण निर्धारित प्रारुप/अभिलेख के रुप में उपलब्ध नहीं था। निर्धारित प्रारुप में अभिलेख तैयार कराये जाने का सुझाव दिया गया। लाभार्थियों को नाश्ते में मात्र एक बिस्कूट एवं सायं खाना दिया जाता है।
- लेबर रूम में पराटोग्राफ डिस्पले नही पाया गया। ओ0टी0 ट्रे में लेबलिंग कराने की आवश्यकता है। न्यू बार्न केयर में सक्शेन मशीन का पांव टूटा पाया गया, चूकि वो क्रियाशील था इस हेतु कि कार्य वाधित न हो उसके नीचे सपोर्ट लगा दिया गया एवं निवेदन किया गया कि शीध्र पांव लगा दिया जाये, ताकि सुचारू कार्य हो सकें।
- वेक्सीन सटोरज यूनिट परिसर में संचालित पाई गई किन्तु उसमें लॉग बुक नही लगी थी एवं तापमान मापने हेतु तापमापी अक्रियाशील पाये गये, जिसको टीम द्वारा अधीक्षक महोदय से बदलने का निवेदन किया गया।

- प्रत्येक स्थान पर वेस्ट मैनेजमेंट हेतु colour coded dustbins उपयोग में नहीं लाये जा रहे थे, किन्तु एक स्थान पर परिसर में लगे पाये गये। पलेसेन्टा के निस्तारण की समुचित व्यवस्था नही पाई गई।
- जिला महिला चिकित्सालय में शिकायत निवारण सेल गठित नही है एवं चिकित्सालय में सुझाव पेटिका उपलब्ध नही थी ।

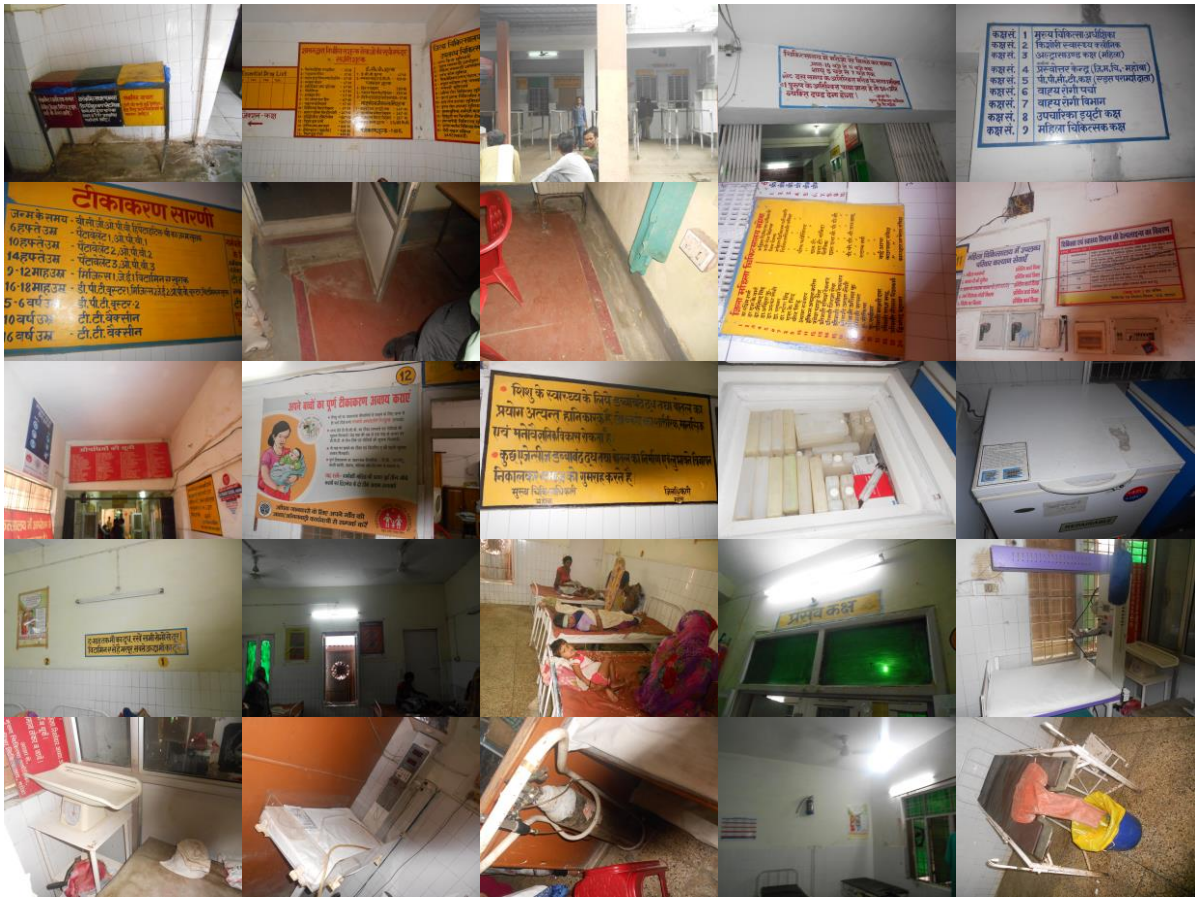

➢ **<u>वी.एच.एन.डी. सत्र</u>**

- पल्स पोलियो अभियान एवं आगनवांडी कार्यकत्रियो की हडताल के कारण पूरे जनपद में वी0एच0एन0डी0 सत्र नही आयोजित हो रहे थे। उक्त दषा में दल द्वारा वी0एच0एन0डी0 सत्र का पर्यवेक्षण करना सम्भव न हो सका।

➢ **<u>उपकेन्द्र सुगिरा, ब्लाक कुलपहाड़, जैतपुर, महोबा –</u>**

- उपकेन्द्र में श्रीमती गायत्री देवी, ए0एन0एम0 एवं श्रीमती रामा आशा बहुं उपस्थित मिली।

- उपकेन्द्र सरिया तक पहूंचने के कोई संकेतक नही लगे। मुख्य मार्ग के अन्दर होने के कारण संकेतकों का लगवान अत्यंत आवश्यक है।
- वेस्ट मैनेजमेंट हेतु colour coded dustbins उपयोग में नहीं लाये जा रहे थे।
- उपकेन्द्र के निकट एक नाला बहता है। वर्षा में पानी का भराव हो जाता है। उपकेन्द्र में कोई भी बॉडरी न होने के कारण कमरों तक में पानी भर जाता है। उक्त दशा में मरीजो का प्रसव कराने में अत्यंत कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। MOIC महोदय से Proper Drainage की व्यवस्था एंव बॉडरी कराना सुनिश्चित करने को कहा।
- पानी हेतु परिसर के सामने हैड पाइप लगा हुआ था एवं बिजली की व्यवस्था उपलब्ध पाई गई। ए0एन0एम0 एवं श्रीमती आशा बहु द्वारा कार्य संतोषजनक सम्पादित किया जा रहा है।

➢ पल्स पोलियों अभियान

- प्रदेश में पल्स पोलियो अभियान संचालित होने के कारण टीम द्वारा कुलपहाड़ ब्लाक में ग्राम सगिरा, जनपद महोबा में पर्यवेक्षण किया गया।
- पल्स पोलियों अभियान को सम्पादित करने हेतु टीम नम्बर 17 मे कुल सदस्य श्रीमती गायत्री देवी, वी0एच0डब्लू0, श्री संदीप गुप्ता, वालन्टीर एवं श्रीमती रामा, आशा द्वारा किया जा रहा था।
- कुल टीम नम्बर 17 द्वारा 115 स्थानों पर भ्रमण किया जा चुका था।

➢ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–पनवाड़ी (एफ.आर.यू.)

- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द, पनवाडी तक पहूंचने के कोई संकेतक नही लगे। मुख्य मार्ग के अन्दर होने के कारण संकेतकों का लगवान अत्यंत आवश्यक है।
- आई0ई0सी0 सामग्री के प्रदर्शन की आवश्यकता है। लेबर रूम के निकट के शौचालय में सफाई एवं पानी की व्यवस्था की आवश्यकता है। भारत सरकार द्वारा निर्धारित मानकनुसार अभिलेख उपलब्ध नही पाए गए।
- लेबर रूम में दो लेबर टेबल के मध्य स्क्रीन पार्टिशन नही पाया गया। लेबर रूम में लाइट की समुचित व्यवस्था उपलब्ध नही है।
- चिकित्सा अधीक्षक महोदय द्वारा बताया गया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के अन्तर्गत एक भी ब्लाक नही है। जबकि तीन ब्लाक – पनवाड़ी, चकेरी एवं जैतपुर की रिपोर्टिंग का उत्तरदायित्व उनके केन्द्र को है। बी0पी0एम0यू0 अपने ब्लाक पर तैनात है एवं उक्त ब्लाक के एक भी आपरेटर वहां न तैनात होने के कारण रिपोर्टिंग में कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है।
- चिकित्सालय में फार्मासिस्ट तैनात नही है, जिससे चिकित्सा में कठिनाई का समाना करना पड़ता है। चिकित्सा अधीक्षक महोदय द्वारा फार्मासिस्ट उपलब्ध कराने की मांग की गई।

- औषधि स्टाक, जे0एस0एस0के0 के अभिलेखों का रिकार्ड अपूर्ण एवं रख रखाव खराब पाया गया। अर्श चिकित्सक के पास पेटेन्ट औषधियां उपलब्ध कराने की आवश्कता है।

- जनपद महोबा में प्रथम बार टीम को Bio Medical Waste के निस्तारण हेतु Medical Pollution Control Committee (MPCC) Bijoli, Jhansi एजेंसी की गाड़ी उपस्थित मिली। उक्त के होने के उपरान्त भी कई स्थानों पर कूडे का ढेर दिखा, जिसको अधीक्षक महोदय के संज्ञान में लाया गया।
- डिलीवरी रुम में कोई भी प्राटोकाल फॉलो नही किया जा रहा था। किसी भी टेबल पर शीट एवं कैलिसपैड नही लगा था। टेबलो के बीच पर्दे भी नही लगे थे।

<u>मुख्य चिकित्साधिकारी से बैठक–</u>

- जिला महिला चिकित्सालय के अधीक्षक महोदय द्वारा बताया गया जिला महोबा में महिलाओं का हामोग्लोबिन 7–8 तक रहता है। ऐसी दशा में प्रसव कराना बेहद कठिन होता है। उसके उपरान्त पूरे जनपद में कहीं भी न तो ब्लड बैंक है और न ही ब्लड स्टोरज यूनिट स्थापित है। अपातकालीन स्थति में मरीज के जीवन की रक्षा करना बेहद कठिन हो जाता है।
- जिला चिकित्सालय 70 Bedded चिकित्सालय है, किन्तु मरीजो का भार अधिक होने के कारण 100 Bed डाल दिये गये है, किन्तु उक्त हेतु चिकित्सालय को मात्र 70 Bedded चिकित्सालय की सुविधा शासन स्तर से प्राप्त होती है, जबकि कार्य 100 Bedded का किया जाता है।
- उपकेन्द्र सुगिरा, ब्लाक कुलपहाड़, उपकेन्द्र में कोई भी बॉडरी न होने के कारण कमरों तक में पानी भर जाता है। मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा आश्वासन दिया गया जल्द टेन्डर करवा के कार्य सम्पादित कर लिया जायेगा।
- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–पनवाड़ी में तैनात चिकित्सा अधीक्षक महोदय द्वारा बताया गया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के अन्तर्गत एक भी ब्लाक नही है। जबकि तीन ब्लाक – पनवाड़ी, चकेरी एवं जैतपुर की रिपोर्टिंग का उत्तरदायित्व उनके केन्द्र को है। बी0पी0एम0यू0 अपने ब्लाक पर तैनात है एवं उक्त ब्लाक के एक भी आपरेटर वहां न तैनात होने के कारण रिपोर्टिंग में कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय द्वारा बताया गया कि PCPNDT का आपरेटर तैनात है, जिसका दायित्व है कि रिर्पोटिंग करें।

(सौरभ तिवारी)	**(डा0 वाई0के0 पाठक)**	**(डा0 अश्विनी कुमार)**
पी0सी0,एम0एण्ड0डी	**संयुक्त निदेशक (नेत्र)**	**उपमहाप्रबंधक, (आयुष)**